विषय–संस्कृत

कक्षा–10

पूर्णांक 100

इस विषय में 70 अंक की लिखित परीक्षा होगी तथा 30 अंकों का आन्तरिक मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर किया जायेगा। पाठ्यक्रम के आधार पर 20 अंक के वस्तुनिष्ठ प्रश्न एवं 50 अंक के वर्णनात्मक प्रश्न होंगे। वस्तुनिष्ठ प्रश्नों में उत्तर के रूप में तीन या चार उत्तर प्रश्न–पत्र में अंकित होंगे। उनमें से एक शुद्ध उत्तर होगा। उसका उल्लेख पुस्तिका में छात्र को अंकित करना होगा। अंक विभाजन निम्नवत् है–

खण्ड क (गद्य, पद्य आशुपाठ) **35 अंक**

गद्य **11 अंक**

1–गद्य–खण्ड का हिन्दी में अनुवाद 4 अंक

2–पाठ–सारांश 4 अंक

3–बहुविकल्पीय प्रश्न 1X3=3 अंक

पद्य **15 अंक**

1–श्लोक की हिन्दी में व्याख्या 4 अंक 2–सूक्ति की हिन्दी में व्याख्या 3 अंक

3–किसी एक श्लोक का संस्कृत में अर्थ 4 अंक

4–बहुविकल्पीय प्रश्न 1X4=4 अंक

आशुपाठ– **9 अंक**

1–पात्र चरित्र–चित्रण (हिन्दी में) 4 अंक

2–लघु उत्तरीय प्रश्न (संस्कृत में) 2 अंक

3–बहुविकल्पीय प्रश्न 1X3=3 अंक

खण्ड 'ख' (व्याकरण, अनुवाद, रचना) **35 अंक**

व्याकरण–

1–प्रत्याहारों का सामान्य परिचय एवं वर्णों का उच्चारण स्थान 2 अंक

2–सन्धि 2 अंक

1–हल् सन्धि– मोऽनुस्वारः, अनुस्वारस्य ययि परसवर्णः।

2–विसर्ग सन्धि–विसर्जनीयस्य सः, ससजुषो रुः, अतो रोरप्लुतादप्लुते, हशि च।

3–शब्द रूप– 2 अंक

अ–पुंलिङ्ग–पितृ, भगवत्, गो, करिन्, राजन्।

ब–स्त्रीलिङ्ग–नदी, धेनु, वधू, सरित्।

स–नपुंसकलिङ्ग–वारि, मधु, नामन्, मनस्, किम्, यद्, अदस्,।

4–धातुरूप––(लट्, लृट्, लोट्, लङ् तथा विधिलिङ् लकारों में)– 2 अंक

अ–परस्मैपद–भू, पा, वस्, स्था,नश्, आप्, इष्।

ब–आत्मनेपद–वृध्, जन्।

स–उभयपद–नी, दा, ज्ञा, चुर्।

5–समास––समासों के विग्रह सहित उदाहरण– 2 अंक

अव्ययीभाव, द्विगु, बहुव्रीहि।

6–कारक–विभक्ति–निम्न सूत्रों के आधार पर कारक–विभक्ति ज्ञान एवं प्रयोग 2 अंक

कर्तुरीप्सिततमं कर्म, कर्मणि द्वितीया, साधकतमं करणम्, कर्तृकरणयोस्तृतीया,
कर्मणा यमभिप्रैति स सम्प्रदानम्, चतुर्थी सम्प्रदाने, ध्रुवमपायेऽपादानम्,
अपादाने पंचमी, आधारोऽधिकरणम्, सप्तम्यधिकरणे च।

7–प्रत्यय–क्त, क्तवतु, क्तिन्, क्त्वा, ल्यप्, शतृ, शानच्, तुमुन्, मतुप्, ठक्, त्व, तल् टाप्, अनीयर्, इन्,। 2 अंक

8–वाच्य– परिवर्तन। 3 अंक

अनुवाद–

1–हिन्दी वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद (तीन वाक्य) 2X3=6 अंक

रचना–

1–संस्कृत निबन्ध (कम से कम आठ वाक्य) 8 अंक

2–संस्कृत पदों का वाक्यों में प्रयोग। 2X2= 4 अंक

निर्धारित पाठ्य–पुस्तक

निम्नलिखित पाठ्य–पुस्तकों के सम्मुख अंकित पाठ्यवस्तु (माध्यमिक शिक्षा परिषद् द्वारा निर्धारित अंश/पाठ का अध्ययन करना होगा)–

1–संस्कृत व्याकरण–1–प्रत्याहारों का सामान्य परिचय एवं उच्चारण स्थान।
2–सन्धि–व्यंजन एवं विसर्ग सन्धियों का परिचय एवं अभ्यास।
3–समास–अव्ययीभाव, द्विगु, बहुव्रीहि।
4–कारक एवं विभक्ति परिचय।
5–वाच्य–परिवर्तन।
6–अनुवाद–
क–सामान्य नियमों सहित अभ्यास।
ख–कारक एवं विभक्ति ज्ञान।
ग–अनुवाद अभ्यास।
7–प्रत्यय।
8–शब्दरूप–संज्ञा, सर्वनाम तथा संख्या वाचक शब्दों के तीनों लिङ्गों में रूप।
9–धातुरूप–परस्मैपद, आत्मनेपद तथा उभयपद में धातुओं के रूप।
10–संस्कृत पदों का वाक्यों में प्रयोग।
11–संस्कृत में निबन्ध–
1–विद्या
2–सदाचारः
3–परोपकारः
4–सत्संगतिः
5–अहिंसा परमो धर्मः
6–मातृभूमिः
7–वसुधैव कुटुम्बकम्
8–राष्ट्रिया एकता
9–अनुशासनम्
10–राष्ट्रपिता महात्मा गांधी
11–संस्कृतभाषायाः महत्त्वम्
12–भारतीयकृषकः
13–हिमालयः
14–तीर्थराजप्रयागः
15–वनसम्पत्
16–पर्यावरणम्
17 परिवारकल्याणम्
18 राष्ट्रियपक्षिमयूरः
19 यौतुकम्
20–दूरदर्शनम्
21–क्रिकेटक्रीडनम्
22–जनसङ्ख्या
23–यातायात सुरक्षा
24–स्वास्थ्य–शिक्षा

संस्कृतगद्यभारती

संस्कृत साहित्य पर एक दृष्टि

वैदिक मङ्गलाचरणम्

1–कविकुलगुरुः कालिदासः

2– उद्भिज्ज–परिषद्

3– नैतिकमूल्यानि

4– विश्वकविः रवीन्द्रः

5–कार्यं वा साधयेयं देह वा पातयेयम्

6– आदिशंकराचार्यः

7– संस्कृतभाषायाः गौरवम्

8– मदनमोहनमालवीयः

9–जीवनं निहितं वने

10– लोकमान्यःतिलकः

11– गुरुनानकदेवः

12– दीनबन्धुः ज्योतिबाफुले

संस्कृतपद्यपीयूषम्–

1–लक्ष्य–वेध–परीक्षा

2–वृक्षाणां चेतनत्वम

3–सूक्ति–सुधा

4–क्षान्तिसौख्यम् **अंक 30**

5–विद्यार्थिचर्या

6–गीतामृतम् **10 अंक**

7–जीव्याद् भारतवर्षम् **10 अंक**

संस्कृतकथानाटककौमुदी– **10 अंक**

1–महात्मनः संस्मरणानि मई माह

2–कारुणिको जीमूतवाहनः जुलाई माह

3–धैर्यधनाः हि साधवः

4–यौतुकः पापसञ्चयः नवम्बर माह

5–भोजस्य शल्यचिकित्सा दिसम्बर माह

6–ज्ञानं पूततरं सदा

7–वयं भारतीयाः

आन्तरिक मूल्यांकन–

शैक्षिक सत्र 2024–25 हेतु आन्तरिक मूल्यांकन

1–प्रथम आन्तरिक मूल्यांकन परीक्षा– (मौखिक अभिव्यक्ति आधारित परीक्षा) **अगस्त माह**

2–द्वितीय आन्तरिक मूल्यांकन परीक्षा–(रचनात्मक लेखन आधारित परीक्षा) **दिसम्बर माह**

3–चार मासिक परीक्षाएं

- प्रथम मासिक परीक्षा (बहुविकल्पीय प्रश्नों (MCQ) के आधार पर)
- द्वितीय मासिक परीक्षा (वर्णनात्मक प्रश्नों के आधार पर)
- तृतीय मासिक परीक्षा (बहुविकल्पीय प्रश्नों (MCQ) के आधार पर)
- चतुर्थ मासिक परीक्षा (वर्णनात्मक प्रश्नों के आधार पर)

चारों मासिक परीक्षाओं के प्राप्तांकों के योग को 10 अंकों में परिवर्तित किया जाय।